



भा.कृ.अनु.प.–भारतीय कृषि प्रणाली अनुसंधान संस्थान

ICAR–Indian Institute of Farming Systems Research

मोदीपुरम, मेरठ–250 110 (उ०प्र०), Modipuram, Meerut - 250 110 (U.P)

फोन/Phone : 0121-288 8711, 288 8811, फ़ैक्स/Fax : 0121-288 8546

मोबाईल / Mobile : 91-9458609646; ईमेल/Email: chandrabhanu21@gmail.com

दिनांक– 04.10.2018

जैविक खेती हेतु प्रमाणित प्रक्षेत्र सलाहाकार विषय पर प्रशिक्षण कार्यक्रम

प्रेस विज्ञप्ति

भारतीय कृषि प्रणाली अनुसंधान संस्थान, मोदीपुरम, मेरठ में दिनांक 4/10/2018 को "जैविक खेती हेतु प्रमाणित प्रक्षेत्र सलाहाकार" विषय पर आयोजित किये जाने वाले 15 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारम्भ किया गया। उद्घाटन समारोह में डा. गया प्रसाद कुलपति, सरदार बल्लभभाई पटेल कृषि विश्वविद्यालय, मेरठ मुख्य अतिथि एवं डा. मनोज कुमार, संयुक्त निदेशक केन्द्रीय आलू अनुसंधान संस्थान, मेरठ विशिष्ट अतिथि रहे। मुख्य अतिथि ने अपने संबोधन में जैविक खेती को मानव स्वास्थ्य, मृदा स्वास्थ्य एवं पर्यावरण स्वास्थ्य के लिए जरूरी बताया। उन्होंने यह भी बताया कि रसायनों एवं कीटनाशियों के दुस्प्रभाव से बचने में एवं जैविक खेती के प्रचार– प्रसार में यह प्रशिक्षण कार्यक्रम अत्यंत उपयोगी साबित होगा। विशिष्ट अतिथि डा. मनोज कुमार जी ने मानव स्वास्थ्य के लिए सुरक्षित आलू व सब्जी उत्पादन हेतु जैविक खेती को जरूरी बताया तथा जैविक खेती को बढ़ावा देने वाले इस प्रशिक्षण कार्यक्रम पर हर्ष व्यक्त किया।

संस्थान के निदेशक डा. आजाद सिंह पँवार ने सभी अतिथियों एवं प्रशिक्षणार्थियों का स्वागत करते हुए कृषि प्रणाली संस्थान द्वारा जैविक खेती विषय पर देश भर में अपने विभिन्न केन्द्रों के माध्यम से किये जा रहे शोध कार्यों की संक्षिप्त जानकारी दी। कार्यक्रम समन्वयक डा. एन. रविशंकर ने प्रशिक्षण कार्यक्रम का विस्तृत ब्यौरा प्रस्तुत किया। जैविक खेती पर आयोजित इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में देश के नौ राज्यों के 24 कृषि अधिकारी भाग ले रहे हैं जो प्रशिक्षण के उपरांत अपने-अपने राज्यों में जैविक खेती को बढ़ावा देने का कार्य करेंगे। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम 4–18 अक्टूबर, 2018 तक चलेगा तथा इस दौरान प्रशिक्षणार्थियों को जैविक खाद बनाने, जैविक कीटनाशी व रोगनाशी बनाने, जैविक कीट व व्याधि नियंत्रण हेतु व्यवसायिक उत्पादन तकनीकों, गैर रासायनिक कीट व व्याधिनाशियों के प्रक्षेत्र पर ही वनस्पतियों एवं गोमूत्र द्वारा निर्माण, अन्य गैर–रासायनिक कीट–व्याधि नियंत्रण तकनीकों के कृषि में उपयोग आदि पर विधिवत प्रयोग करवाये जायेंगे। कार्यक्रम का संचालन डा. पूनम कश्यप ने किया। डा. चन्द्रभानु ने धन्यवाद ज्ञापन दिया।



